RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 22 | अंक 10 | मुंबई, 05 अगस्त, 2023 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

'7 स्टार स्पा' पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मेहरबान

राजीव सेजवल की कार्य प्रणाली पर अंकुश लगायेंगे पुलिस आयुक्त?

महाराष्ट्र क्राइम्स संवाददाता

नवी मुंबई, नवी मुंबई में इन दिनों स्पा और मसाज सेंटर का नेटवर्क बड़ी तेजी से फैल रहा है। स्पा और मसाज सेंटर की आड में देह व्यापार का अवैध कारोबार खुलेआम फलफूल रहा है।

सूत्रों से पता चला है कि, खारघर पुलिस थाने की हद में लगभग २० से २५ स्पा सेंटरों को चलाने वालो के साथ कुछ पुलिस वालों की इस अवैध धंधे में हिस्सेदारी रहती है। देखा यह भी गया है कि, दिखावे के लिए संबंधित स्पा सेंटर का ऐग्रिमेंन्ट किसी और के नाम का होता है। लेकिन पुंजी किसी पुलिस वाले का होता है।

मिलींद भारंभे
(पुलिस आयुक्त, नवी मुंबई)

राजीव सेजवल
(वरीष्ठ पुलिस निरीक्षक-खारघर पुलिस थाने)

सुत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार खारघर पुलिस थाना क्षेत्र में इन दिनों 7 स्टार नाम का मसाज पार्लर खुलेआम चल रहा है। बताया जा रहा है कि इस मसाज पार्लर को एक रिटायर्ड ए.सी.पी. प्रल्हाद चंदनशिवे चला रहा है। बीते दिनों हमने इस समाचार पत्र के माध्यम से एक डमी ग्राहक को भेजकर स्टिंग ऑपरेशन किया था। उस में इस मसाज पार्लर में हो रहें देह व्यापार का पूरा सच कैमरे में कैद हो गया। इस विषय पर दिनांक १५ जून २०२३ के रोज परीमंडल क्र. २ के पुलिस उपायुक्त श्री पंकज दहाने, अमित काले (पुलिस उपायुक्त, गुन्हे नवी मुंबई) को 7 स्टार स्पा मसाज पार्लर के आड में चलने वाले देहव्यापार की पुरी विडीओ शूटिंग के साथ जानकारी दी थी। पुलिस सुत्रों के अनुसार पुलिस उपायुक्त ने खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजीव सेजवल को निर्देश दिए कि, इस 7 स्टार स्पा सेंटर पर कानूनी कार्रवाई करें।

अमित काले
(पुलिस उपायुक्त, गुन्हे नवी मुंबई)

खारघर के पुलिस थाने के वरीष्ठ पुलिस निरिक्षक सेजवल ने मसाज सेंटर के प्रती सहानभुती दिखाते हुए दि. 28-07-2023 को उन्होंने स्पा सेंटर के मालिक को बुलाकर अपराध से जुड़ती हुई धाराओं को न लगाते हुए साधारण धारा ११४,२९४/३४ के तहत आरोपी तबस्सुम जावेद शेख उर्फ स्मिता और विशाल सुरेश भिसे पर कार्रवाई करके मामले को रफा-दफा किया। इससे साफ पता चलता है कि स्थानिय खारघर पुलिस थाने का 7 स्टार स्पा सेंटर को आशिर्वाद प्राप्त है।

पंकज दहाने
(पुलिस उपायुक्त, परीमंडल क्र. २)

जहा तक हमारी जानकारी के अनुसार खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सेजवल ने जिस तरह मामले को रफादफा करने का प्रयास किया है। इस से साफ दिखाई दे रहा है कि इन्होंने अपने पद का और कानुन का पुरी तरह उल्लंघन किया है। जब की स्पा की विडीओ रिकॉर्डिंग देखने के बाद स्पा संचालक, प्रबंधक व कर्मचारियों पर पिटा एक्ट कलम ३,४,५/३४ (३७०) के तहत कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए थी लेकिन उन्होंने मामुली कानूनी कारवाई कर के मामले में खानापुर्ती करते हुए इस मामले को ठंडे बस्तें में डाल दिया है। लेकिन अब 'महाराष्ट्र क्राईम्स' समाचार पत्र नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त श्री मिलींद भारंभे साहब से और मा. मुंबई उच्च न्यायालय से मांग करेगा कि इस विडिओ रिकॉर्डिंग को देखने के बाद खारघर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक और मामले को रफा-दफा करने वाले जांच अधिकारी पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग करते है।

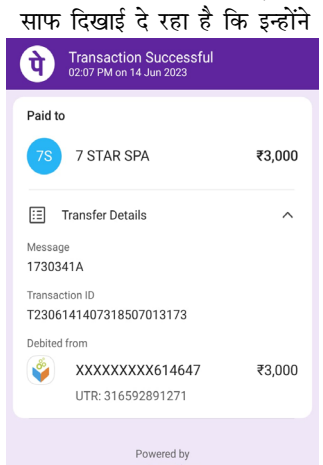

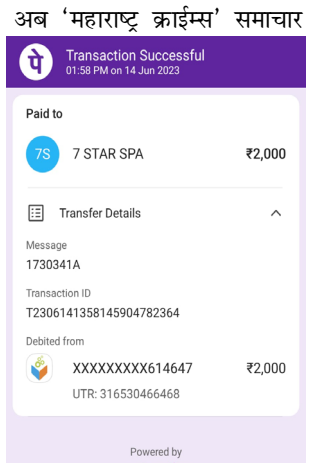

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक, सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली : मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने राहुल की सजा पर रोक लगा दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि जब तक अपील लंबित है, तब तक सजा पर अंतरिम रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बयान अच्छे मूड में नहीं होते हैं, सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति से सार्वजनिक भाषण देते समय सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि राहुल को अधिक सावधान रखनी चाहिए थी।

कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस शुरू की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि उन्हें सजा पर रोक के लिए आज एक असाधारण मामला बनाना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस बीच कहा कि वे जानना चाहता है कि राहुल को अधिकतम सजा क्यों दी गई। कोर्ट ने कहा कि अगर जज ने 1 साल 11 महीने की सजा दी होती तो राहुल गांधी अयोग्य नहीं ठहराए जाते। कोर्ट की

टिप्पणी पर महेश जेठमलानी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले राहुल गांधी को आगाह किया था जब उन्होंने कहा था कि राफेल मामले में शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि उनके आचरण में कोई बदलाव नहीं आया है।

सिंघवी ने दी ये दलील

'मोदी सरनेम' टिप्पणी मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कई दलीलें दी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी का मूल उपनाम 'मोदी' नहीं है और उन्होंने बाद में यह उपनाम अपनाया।

कोर्ट में दी गई दलीलें

सिंघवी- मानहानि केस की अधिकतम सजा दे दी गई। इसका नतीजा यह होगा कि 8 साल तक जनप्रतिनिधि नहीं बन सकेंगे।

पूर्णेश मोदी के वकील महेश जेठमलानी ने राहुल का बयान पढ़ा- सारे चोरों के नाम मोदी क्यों होते हैं? और ढूंढोगे तो और मोदी चोर निकल आएंगे।

जेठमलानी ने कहा कि क्या यह एक पूरे वर्ग का अपमान नहीं है? पीएम मोदी से राजनीतिक लड़ाई के चलते मोदी नाम वाले सभी लोगों को बदनाम कर रहे हैं।

संपादकीय

लंबित मुकदमों की संख्या

यह तथ्य चकित करने वाला है कि 6.3 लाख मुकदमों में पक्षकार केंद्र सरकार है। जब केंद्र सरकार इतने अधिक मुकदमे लड़ रही है तो फिर यह सहज ही समझा जा सकता है कि राज्य सरकारें भी बड़ी संख्या में मुकदमे लड़ रही होंगी। वास्तव में इस एक कारण से भी निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक हालिया आंकड़े के अनुसार हर तरह के न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या पांच करोड़ से अधिक पहुंच गई है। यह आंकड़ा यह भी बताता है कि लंबित मुकदमों की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है-न केवल निचली अदालतों में, बल्कि उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भी। निचली अदालतों में लंबित मुकदमों का बोझ कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। पांच साल पहले निचली अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या 2.9 करोड़ थी। अब उनकी संख्या 4.4 करोड़ पहुंच गई है। यह स्थिति गहन चिंता का विषय बननी चाहिए, क्योंकि इससे यही पता चलता है कि न्यायिक व्यवस्था चरमरा रही है। नि:संदेह उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भी स्थिति संतोषजनक नहीं, क्योंकि वहां भी लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या का एक कारण न्यायाधीशों और संसाधनों की कमी बताई जाती है। नि:संदेह यह एक कारण है, लेकिन इसे एकमात्र कारण नहीं कहा जा सकता। लंबित मुकदमों का बोझ बढ़ते चले जाने का एक और प्रमुख कारण है तारीख पर तारीख का सिलसिला। न जाने कितने मामले ऐसे हैं, जिनका निस्तारण दो-चार वर्ष में हो जाना चाहिए, पर वे दशकों तक लटके रहते हैं। यही स्थिति उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में भी है। पांच करोड़ मुकदमे लंबित रहने का मतलब है कि इससे कहीं ज्यादा लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं, क्योंकि कई मामलों में एक से अधिक लोग अदालती कार्रवाई का सामना कर रहे होते हैं। यह एक तरह से न्यायिक व्यवस्था की ओर से किया जाना वाला उत्पीड़न है। खेद की बात यह है कि इस उत्पीड़न में सरकारें भी शामिल हैं।

क्या इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ हो सकता है कि सरकारें अपने ही लोगों को मुकदमेबाजी में उलझाए रहें? लंबित मुकदमों के निस्तारण में देरी से केवल लोगों का न्यायिक तंत्र पर भरोसा ही कमजोर नहीं होता, बल्कि देश की प्रगति भी बाधित होती है, क्योंकि करोड़ों लोग काम-धंधे पर ध्यान देने के बजाय अदालतों के चक्कर लगाते हैं और अपने समय के साथ धन की भी बबार्दी करते हैं। नीति-नियंताओं की ओर से इस तरह की जो बातें रह-रहकर की जाती हैं कि लंबित मुकदमे एक बड़ी समस्या हैं और न्याय में देरी अन्याय है, उनसे देश की जनता आजिज आ चुकी है, क्योंकि तमाम चिंता जताए जाने के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। आखिर उस चिंता का क्या मूल्य-महत्व, जो समस्या के समाधान में सहायक न बने?

मणिपुर समस्या की जड़ें

वो लोग जो मणिपुर का रास्ता नहीं जानते। पूर्वोत्तर के राज्यों की राजधानी शायद जानते हो लेकिन कोई दूसरे शहर का नाम तक नहीं बता सकते उनके ज्ञान वर्धन के लिए बता दूं

''मणिपुर समस्याः एक इतिहास''

जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने पूर्वोत्तर की ओर भी कदम बढ़ाए जहाँ उनको चाय के साथ तेल मिला। उनको इस पर डाका डालना था। उन्होंने वहां पाया कि यहाँ के लोग बहुत सीधे सरल हैं और ये लोग वैष्णव सनातनी हैं। परन्तु जंगल और पहाड़ों में रहने वाले ये लोग पूरे देश के अन्य भाग से अलग हैं तथा इन सीधे सादे लोगों के पास बहुमूल्य सम्पदा है।

अतः अंग्रेजों ने सबसे पहले यहाँ के लोगों को देश के अन्य भूभाग से पूरी तरह काटने को सोचा। इसके लिए अंग्रेज लोग ले आए इनर परमिट और आउटर परमिट की व्यवस्था। इसके अंतर्गत कोई भी इस इलाके में आने से पहले परमिट बनवाएगा और एक समय सीमा से आगे नहीं रह सकता। परन्तु इसके उलट अंग्रेजों ने अपने भवन बनवाए और अंग्रेज अफसरों को रखा जो चाय की पत्ती उगाने और उसको बेचने का काम करते थे।

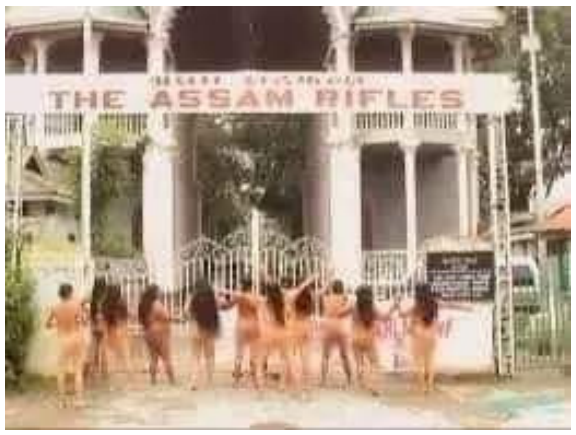

इसके साथ अंग्रेजों ने देखा कि इस इलाके में ईसाई नहीं हैं। अतः इन्होने ईसाई मिशनरी को उठा उठा के यहां भेजा। मिशनरीयों ने इस इलाके के लोगों का आसानी से धर्म परिवर्तित करने का काम शुरू किया। जब खूब लोग ईसाई में परिवर्तित हो गए तो अंग्रेज इनको ईसाई राज्य बनाने का सपना दिखाने लगे। साथ ही उनका आशय था कि पूर्वोत्तर से चीन, भारत तथा पूर्वी एशिया पर नजर बना के रखेंगे।

अंग्रेजों ने एक चाल और चली। उन्होंने धर्म परिवर्तित करके ईसाई बने लोगों को रळ का दर्जा दिया तथा उनको कई सरकारी सुविधाएं दी।

धर्म परिवर्तित करने वालों को कुकी जनजाति और वैष्णव लोगों को मैती समाज कहा जाता है।

तब इतने अलग राज्य नहीं थे और बहुत सरे नगा लोग भी धर्म परिवर्तित करके ईसाई बन गए। धीरे धीरे ईसाई पंथ को मानने वालों की संख्या वैष्णव लोगों से अधिक या बराबर हो गयी। मूल लोग सदा अंग्रेजों से लड़ते रहे जिसके कारण अंग्रेज इस इलाके का भारत से विभाजन करने में नाकाम रहे। परन्तु वो मैती हिंदुओं की संख्या कम करने और परिवर्तित लोगों को अधिक करने में कामयाब रहे। मणिपुर के 90% भूभाग पर कुकी और नगा का कब्जा हो गया जबकि 10% पर ही मैती रह गए। अंग्रेजों ने इस इलाके में अफीम की खेती को भी बढ़ावा दिया और उस पर ईसाई कुकी लोगों को कब्जा करने दिया।

आजादी के बादः

आजादी के समय वहां के राजा थे बोध चंद्र सिंह और उन्होंने भारत में विलय का निर्णय किया। 1949 में उन्होंने नेहरू को बोला कि मूल वैष्णव जो कि 10% भूभाग में रह गए है उनको रळ का दर्जा दिया जाए। नेहरू ने उनको जाने को कह दिया। फिर 1950 में संविधान अस्तित्व में आया तो नेहरू ने मैती समाज को कोई छूट नहीं दिया। 1960 में नेहरू सरकार द्वारा लैंड रिफार्म एक्ट लाया जिसमे 90% भूभाग वाले कुकी और नगा ईसाईयों को ST में डाल दिया गया। इस एक्ट में ये प्रावधान भी था जिसमे 90% कुकी - नगा वाले कहीं भी जा सकते हैं, रह सकते हैं और जमीन खरीद सकते हैं परन्तु 10% के इलाके में रहने वाले मैती हिंदुओं को ये सब अधिकार नहीं था। यहीं से मैती लोगों का दिल्ली से विरोध शुरू हो गया। नेहरू एक बार भी पूर्वोत्तर के हालत को ठीक करने करने नहीं गए।

उधर ब्रिटैन की MI6 और पाकिस्तान की ISI मिलकर कुकी और नगा को हथियार देने लगी जिसका उपयोग वो भारत विरुद्ध तथा मैती वैष्णवों को भागने के लिए करते थे। मैतियो ने उनका जम कर बिना दिल्ली के समर्थन के मुकाबला किया। सदा से इस इलाके में कांग्रेस और कम्युनिस्ट लोगों की सरकार रही और वो कुकी तथा नगा ईसाईयों के समर्थन में रहे। चूँकि लड़ाई पूर्वोत्तर में ट्राइबल जनजातियों के अपने अस्तित्व की थी तो अलग अलग फ्रंट बनाकर सबने हथियार उठा लिया। पूरा पूर्वोत्तर क्रक के द्वारा एक लड़ाई का मैदान बना दिया गया। जिसके कारण ट्र९ङ्क जनजातियों में सशत्र विद्रोह शुरू हुआ। बिन दिल्ली के समर्थन जनजातियों ने क्रक समर्थित कुकी, नगा और म्यांमार से भारत में अनधिकृत रूप से आये चिन जनजातियों से लड़ाई करते रहे। जानकारी के लिए बताते चलें कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट ने मिशनरी के साथ मिलकर म्यांमार से आये इन चिन जनजातियों को मणिपुर के पहाड़ी इलाकों और जंगलों की नागरिकता देकर बसा दिया। ये चिन लोग क्रक के पाले कुकी तथा नगा ईसाईयों के समर्थक थे तथा वैष्णव मैतियों से लड़ते थे। पूर्वोत्तर का हाल खराब था जिसका पोलिटिकल सलूशन नहीं निकाला गया और एक दिन इन्दिरा गाँधी ने आदिवासी इलाकों में air strike का आर्डर दे दिया जिसका आर्मी तथा वायुसेना ने विरोध किया परन्तु राजेश पायलट तथा सुरेश कलमाड़ी ने एयर स्ट्राइक किया और अपने लोगों की जाने ली। इसके बाद विद्रोह और खूनी तथा सशत्र हो गया।

1971 में पाकिस्तान विभाजन और बांग्ला देश अस्तित्व आने से ISI के एक्शन को झटका लगा परन्तु म्यांमार उसका एक खुला एरिया था। उसने म्यांमार के चिन लोगों का मणिपुर में एंट्री कराया जिसका कांग्रेस तथा उधर म्यांमार के अवैध चिन लोगों ने जंगलों में डेरा बनाया और वहां ओपियम यानि अफीम की खेती शुरू कर दिया। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड दशकों तक कुकियों और चिन लोगों के अफीम की खेती तथा तस्करी का खुला खेल का मैदान बन गया। मयंमार से क्रकतथा टक्6 ने इस अफीम की तस्करी के साथ हथियारों की तस्करी का एक पूरा इकॉनमी खड़ा कर दिया। जिसके कारण पूर्वोत्तर के इन राज्यों की बड़ा जनसँख्या नशे की भी आदि हो गई। नशे के साथ हथियार उठाकर भारत के विरुद्ध युद्ध फलता फूलता रहा।

2014 के बाद की परिस्थितिः

मोदी सरकार ने एक्ट ईस्ट पालिसी के अंतर्गत पूर्वोत्तर पर ध्यान देना शुरू किया, NSCN - तथा भारत सरकार के बीच हुए ''नागा एकॉर्ड'' के बाद हिंसा में कमी आई। भारत की सेना पर आक्रमण बंद हुए। भारत सरकार ने अभूतपूर्व विकास किया जिससे वहां के लोगों को दिल्ली के करीब आने का मौका मिला। धीरे धीरे पूर्वोत्तर से हथियार आंदोलन समाप्त हुए। भारत के प्रति यहाँ के लोगों का दुराव कम हुआ। रणनीति के अंतर्गत पूर्वोत्तर में भाजपा की सरकार आई। वहां से कांग्रेस और कम्युनिस्ट का लगभग समापन हुआ। इसके कारण इन पार्टियों का एक प्रमुख धन का श्रोत जो कि अफीम तथा हथियारों की तस्करी था वो चला गया। इसके कारण इन लोगों के लिए किसी भी तरह पूर्वोत्तर में हिंसा और अशांति फैलाना जरूरी हो गया था। जिसका ये लोग बहुत समय से इंतजार कर रहे थे।

हाल ही में दो घटनाए घटीं:

1. मणिपुर उच्च न्यायालय ने फैसला किया कि अब मैती जनजाति को रळ का स्टेटस मिलेगा। इसका परिणाम ये होगा कि नेहरू के बनाए फार्मूला का अंत हो जाएगा जिससे मैती लोग भी 10% के सिकुड़े हुए भूभाग की जगह पर पूरे मणिपुर में कहीं भी रह, बस और जमीन ले सकेंगे। ये कुकी और नगा को मंजूर नहीं।

2. मणिपुर के मुख्यमंत्री बिरेन सिंह ने कहा कि सरकार पहचान करके म्यांमार से आए अवैद्य चिन लोगों को बाहर निकलेगी और अफीम की खेती को समाप्त करेगी। इसके कारण तस्करों का गैंग सदमे में आ गया।

इसके बाद ईसाई कुकियों और ईसाई नगाओं ने अपने दिल्ली बैठे आकाओं, कम्युनिस्ट लुटियन मीडिया को जागृत किया। पहले इन लोगों ने अखबारों और मैगजीन में गलत लेख लिखकर और उलटी जानकारी देकर शेष भारत के लोगों को बरगलाने का काम शुरू किया। उसके बाद दिल्ली से सिग्नल मिलते ही ईसाई कुकियों और ईसाई नगाओं ने मैती वैष्णव लोगों पर हमला बोल दिया। जिसका जवाब मैतियों दुगुना वेग से दिया और इन लोगों को बुरी तरह कुचल दिया जो कि कुकी - नगा के साथ दिल्ली में बैठे इनके आकाओं के लिए भी unexpected था। लात खाने के बाद ये लोग अदातानुसार विक्टम कार्ड खेलकर रोने लगे।

अभी भारत की मीडिया का एक वर्ग जो कम्युनिस्ट तथा कोंग्रस का प्रवक्ता है अब रोएगा क्योंकि पूर्वतर में मिशनरी, अवैध घुसपैठियों और तस्करों के बिल में मणिपुर तथा केंद्र सरकार ने खौलता तेल डाल दिया है।

ब्रिटेन की संसद में मणिपुर पर चर्चा, ग्लोबल मीडिया ने पीएम मोदी पर क्या लिखा

ब्रितानी सांसद और धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की विशेष दूत फियोना ब्रूस ने ब्रितानी संसद में मणिपुर की हिंसा का मुद्दा उठाया है.

गुरुवार को ब्रितानी संसद में बोलते हुए फियोना ब्रूस ने

दावा किया कि मणिपुर में हिंसा में सैकड़ों चर्च जला दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि मणिपुर में हुई हिंसा सोची-समझी साज़िश है.

फियोना ब्रूस ने कहा, ''मई के बाद से ही सैकड़ों चर्च जला दिए गए हैं, कई बिलकुल नष्ट कर दिए गए. सौ से अधिक लोग मारे गए हैं और पचास हजार से अधिक शरणार्थी हैं. न सिर्फ चर्च बल्कि स्कूलों को भी निशाना बनाया गया. इससे साफ है कि ये सब योजना के तहत किया जा रहा है और धर्म इन हमलों के पीछे बड़ा फैक्टर है.''

ब्रूस ने कहा, ''इस सबके बावजूद इस बारे में बहुत कम रिपोर्टिंग हो रही है. वहां लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं. चर्च ऑफ इंग्लैंड की पीड़ा की तरफ और अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिए क्या कर सकता है?''

ब्रूस ने इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम और बिलीफ अलायंस (आईआरएफबीए) के लिए बनाई गई पूर्व बीबीसी संवाददाता डेविड कैपेनेल की रिपोर्ट का भी हवाला दिया.

फियोना ब्रूस आईआरएफबीए की चेयर भी हैं. 15 मई को आईआरएफबीए ने विशेषज्ञ समिति की बैठक की थी जिसमें मणिपुर हिंसा को लेकर चिंता जाहिर की गई थी.

आईआरएफबीए की रिपोर्ट में पीड़ितों और चश्मदीदों के बयान हैं. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस बड़े पैमाने पर धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचा है उस पर और अधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत है.

रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस हिंसा की वजह से लोगों का अपने धर्मस्थल में इकट्ठा होने का अधिकार सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है और चर्चों को फिर से बनाने में बहुत खर्च होगा.

संसद में इस मुद्दे पर बोलते हुए सेकंड चर्च एस्टेट कमिश्नर और सांसद एंड्रयू सेलोस ने कहा कि 'बीबीसी और अन्य प्रसारकों को इस मुद्दे पर और अधिक कवरेज करनी चाहिए.'

सेलोस ने ये भी कहा कि वो फियोना ब्रूस की रिपोर्ट को सीधे ऑर्कबिशप ऑफ कैंटरबरी के समक्ष लेकर जाएंगे. आर्कबिशप ब्रिटेन के सबसे प्रमुख धार्मिक नेता हैं.

ब्रूस ने सांसद सेलोस से सवाल भी किया कि चर्च ऑफ इंग्लैंड धार्मिक स्तवंत्रता और अन्य मान्यताओं (एफआरओबी) की दूसरे देशों में सुरक्षा के लिए क्या कर रहा है. इस पर सेलोस ने बताया कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद ने ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात के सहयोग से एफआरओबी (धार्मिक स्वतंत्रता) पर सालाना रिपोर्ट तैयार करने का प्रस्ताव पारित किया है.

फियोना ब्रूस की टीम ने जो रिपोर्ट तैयार की है उसमें कहा गया है कि भारतीय सरकार को मणिपुर में शांति बहाली के लिए अधिक संख्या में सैन्य बल तैनात करने चाहिए ताकि आदिवासी गांवों की सुरक्षा हो सके.

26 जून को प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया था कि मणिपुर में हुई हिंसा का एक स्पष्ट कारण धर्म भी है.

भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में 3 मई से मैतेई और कुकी समूहों के बीच हिंसा हो रही है. मैतेई अधिकतर हिंदू हैं जबकि कुकी आदिवासी अधिकतर ईसाई हैं.

मणिपुर हाई कोर्ट के एक विवादित फैसले के बाद दोनों समुदाय आमने-सामने हैं.

ढाई महीने बाद भी मणिपुर के हालात सामान्य नहीं हुए हैं. हिंसा के शुरूआती दिनों की घटनाओं से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद तनाव और आक्रोश बढ़ा हुआ है.

कुकी समुदाय की महिलाओं के परेशान करने वाले वीडियो सामने आए हैं जिनके बाद एक बार फिर दुनियाभर के मीडिया का ध्यान मणिपुर की तरफ गया है.

विश्व मीडिया में भी अब मणिपुर के हालात पर रिपोर्ट किया जा रहा है.

अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मणिपुर के परेशान करने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें भीड़ दो महिलाओं को नग्न करके उनका

जुलूस निकाल रही है.

सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भले ही ये घटना 4 मई की हो लेकिन गिरफ़्तारियां वीडियो के सामने आने के बाद ही हुई हैं.

ये वीडियो घटना के दो महीने बाद आया है. हिंसा शुरू होने के बाद मणिपुर में इंटरनेट बंद कर दिया गया था.

सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के बयान का भी ज़िक्र किया है. बीरेन सिंह ने इस घटना को मानवता के खिलाफ अपराध बताया था.

वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मणिपुर में यौन हिंसा की घटना को सामने आने में दो महीनों का समय लगा, जिसकी एक वजह राज्य में इंटरनेट बंद होना भी है.

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि हिंसक नस्लीय झड़पों के दौरान जानकारी के प्रसार को रोकने के लिए इंटरनेट बंद करना सरकार की रणनीति बनता जा रहा है.

अखबार लिखता है, ऐसे में जब बुधवार को दो महिलाओं को नग्न किये जाने और उनका जुलूस निकाले जाना का वीडियो सामने आया तो पूरा देश हैरान रह गया. इससे तनाव और बढ़ गया और एक बार फिर से ध्यान मणिपुर में जारी संघर्ष की तरफ गया.

अखबार लिखता है कि वीडियो आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पहली बार मणिपुर के हालात के बारे में सार्वजनिक टिप्पणी की.

अखबार लिखता है, ''उन्होंने सीधे तौर पर मणिपुर में जारी हिंसा पर बात नहीं की और ना ही मौजूदा हालात में तनाव को कम करने के लिए कोई समाधान सुझाया.''

ब्रितानी अखबार गार्डियन ने भी मणिपुर के हालात पर एक लेख प्रकाशित किया है.

गार्डियन ने ताजा हालात को समझाते हुए लिखा है कि मणिपुर में नस्लीय हिंसा का इतिहास भारत की 1947 में मिली आजादी से भी पुराना है.

अखबार लिखता है कि ताजा हिंसा से पहले भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच कई बार हिंसा हो चुकी है.

अखबार लिखता है कि ताजा हिंसा के बाद कुकी लोगों की अपने लिए अलग राज्य की मांग भी फिर से जोर पकड़ने लगी है और अब कुकी समूहों का कहना है कि जब तक वो अपने लिए अलग राज्य नहीं बना लेते हैं, वो लड़ाई बंद नहीं करेंगे.

फेसबुक फ्रेंड के लिए भारत की अंजू ने पार किया बॉर्डर, सीमा हैदर जैसी है स्टोरी

पाकिस्तान के लिए अंजू के वीजा की डिटेल्स भी सामने आई है, अंजू की पाकिस्तान यात्रा के लिए 4 मई को पाकिस्तान द्वारा वीजा जारी किया गया था. इस वीजा की वैलिडिटी 90 दिनों की है और उसने वाघा बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान में एंट्री की है. भारतीय लड़की अंजू का कहना है कि वह नसरल्लाह से प्यार करती है और उसके बिना नहीं रह सकती है.

जैसे सीमा हैदर को लेकर सुरक्षा एजेंसियां यहां जांच कर रही है उसी तरह अंजू के पाकिस्तान जाने के बाद वहां की एजेंसियां भी उसकी जांच कर रही है. बता दें कि सीमा हैदर और अंजू की कहानी मिलती जुलती है. दोनों ने ही प्यार में पड़कर अपने देश की

सरहदों को पार किया

अवैध तरीके से भारत आई थी सीमा हैदर

बता दें कि सीमा हैदर की लव स्टोरी ने हिन्दुस्तान से लेकर पाकिस्तान तक में चर्चा का विषय बनी हुई है. पबजी गेम खेलते हुए ग्रेटर नोएडा के सचिन मीणा से प्यार होने के बाद चार बच्चों की मां सीमा हैदर अपना देश छोड़कर नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आ गई.

सीमा हैदर के यूपी आने के बाद अब उसे जांच और एटीएस की पूछताछ का सामना करना पड़ रहा है. सीमा हैदर ने आजतक को दिए खास इंटरव्यू में कहा कि अब वो पाकिस्तान की नहीं बल्कि हिन्दुस्तान की बहू-बेटी है. सीमा ने कहा कि वो कोई एजेंट नहीं है और अब भारत ही उसका अपना देश है.

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 अगस्त, 2023

शादी के नाम पर चंद रुपयों में बिकती हैं बेटियां, अपने ही करते हैं इनका सौदा

अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर शादी का झांसा देकर लड़कियों की खरीद-फरोख्त का मामला बढ़ता जा रहा है। जिसे लेकर बिचौलिए काफी सक्रिय हैं। एक महीने के अंदर रोहतास प्रखंड में इस प्रकार के दो मामले उजागर हुए हैं। वहीं दर्जनों मामले पारिवारिक प्रतिष्ठा व लड़कियों के संकोच तथा लज्जा के कारण सामने नहीं आ सके हैं। खरीद-फरोख्त में बिचौलिए के साथ-साथ नजदीकी रिश्तेदार व परिजन भी शामिल हैं। इसी प्रकार का मामला गत दिनों ढेलाबाद व बंजारी गांव का भी सामने आया है। जिसमें वरीय अधिकारी के हस्तक्षेप के बाद रोहतास थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

मां, मामा और नाना ने ही किया था सौदा

रोहतास थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि ढेलाबाग की पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध में उसने अपनी मां, मामा और नाना पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया गया है। वहीं एक माह पूर्व भी बंजारी से एक किशोरी को राजस्थान ले जाने के क्रम में श्रम अधीक्षक ने सासाराम मुफस्सिल थाने की पुलिस के सहयोग से लड़की को बरामद कर स्कॉर्पियो के साथ दलाल को भी पकड़ा था। हालांकि बाद में वह साक्ष्य के अभाव में छूट गया।

इस मामले को लेकर श्रम अधीक्षक द्वारा बंजारी में इसकी छानबीन कर प्रतिवेदन भी डीएम को समर्पित किया गया है।

नाबालिग से विवाह कर, अधेड़ को बेच देते

ग्रामीण सूत्रों की माने तो बंजारी ,ढेलाबाद ,जमुआ, नौहट्टा प्रखंड के सुदूरवर्ती गावों के अलावा डेहरी शहर समेत अन्य जगहों पर दलालों का नेटवर्क सक्रिय है। जो इन क्षेत्रों से बालिग और नाबालिग लड़कियों को विवाह के रस्मों में बांधकर राजस्थान,उत्तरप्रदेश ले जाते है और वहा अधेड़ उम्र के लोगो को बेच देते है। इस प्रकार के लोगो के चंगुल से छूटकर आई बंजारी की सुप्रिया (काल्पनिक नाम) कहती है कि मेरे पिता जी और मां को मेरे एक रिश्तेदार द्वारा झांसा देकर एक युवक के साथ विवाह कर दिया गया, जिसने मुझे दिल्ली ले जाकर एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को बेच दिया। वह व्यक्ति मुझे मेरे माता-पिता से कभी भी बात नही करने देता था। किसी प्रकार माता पिता दिल्ली पहुंचे और मुझे उसके चंगुल से छुड़ा कर घर लाए। दुबारा मेरा विवाह संपन्न कराया गया। मामला एक वर्ष पूर्व का है। इस प्रकार के मामले प्रशासनिक उपेक्षा के कारण भी दब जाते है।

ग्रामीण सूत्रों की माने तो इस प्रकार के मामले में रिश्तेदार ,बिचौलिया के साथ साथ घर वाले भी शामिल है। कुछ गरीबी तो कई लोग रुपए के लालच में इस तरह का घिनौना कार्य कर रहे हैं। बगैर कोई जानकारी लिए रुपए लेकर अपनी लड़कियों को अधिक उम्र के लोगो के साथ शादी कर देते हैं। अधिकांश लड़कियां दोबारा वापस नही लौटती और उसका कोई पता भी नही चलता की वे कहां है।

गृहनिर्माण मंत्री सावे की बड़ी घोषणा

झोपड़पट्टी के पहली मंजिल पर रहने वाले नागरिकों को मिलेगा घर

विधान परिषद में प्रवीण दरेकर सहित अन्य सदस्यों ने उठाया था मुद्दा

मुंबई : गृहनिर्माण मंत्री अतुल सावे ने सोमवार को झोपड़पट्टी में रहने वाले नागरिकों को बड़ी राहत दी है.विधानपरिषद में मंत्री सावे ने कहा कि झोपड़पट्टी में पहली मंजिल पर रहने वाले नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दी जाएगी। सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने झोपड़पट्टी में पहली मंजिल पर रहने वाले नागरिकों को मुफ्त घर देने का मुद्दा उपस्थित किया था इसके लिखित जवाब सावे बोल रहे थे.गृहनिर्माण मंत्री ने कहा कि झोपड़पट्टी के पहली मंजिल पर रहने वाले नागरिकों को झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के

तहत घर दी जाएगी।इस योजना का लाभ लेने के लिए नागरिकों को सभी नियमों का पालन करना पड़ेगा। गृहनिर्माण मंत्री ने कहा कि साल 1976 के पहले बने झोपड़पट्टी के पहली मंजिल पर पर रहने वाले निवासियों को स्लम पुनर्वास योजना के तहत पुनर्वास फ्लैट का लाभ देने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। इस संबंध में अंतिम मंजूरी के लिए झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण से एक विस्तृत प्रस्ताव सरकार को सौंपने का अनुरोध किया गया है।,मंत्री अतुल सावे ने कहा कि झोपड़पट्टी की पहली मंजिल पर अवैध तरीके से रहने वाले नागरिकों के मुफ्त घर मिलने को लेकर सरकार के पास कोई कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्री सावे ने कहा कि मुंबई सहित ठाणे सहित अन्य जिलों में बड़ी संख्या में झोपड़पट्टी है जिसमे पहली मंजिल पर लोग रहते है इस योजना के शुरू होने के बाद लाखों नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। इस चर्चा में भाई गिरकर,रमेश पाटिल, उमा खापरे सहित अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

मशीन वितरण प्रोग्राम पर खर्च हुए 2 करोड़...

मुंबई : मनपा प्रशासन सिलाई मशीन, घर घंटी और मसाला पीसने की मशीन के वितरण प्रोग्राम पर लगभग 2 करोड़ रुपया खर्च कर दिया है। जबकि अभी तक इस तरह के प्रोग्राम नगरसेवक अपने वार्ड में अपने स्तर पर करते थे और गरीब परिवार को उसका फायदा मिल जाता था। इस बार मनपा में नगरसेवक नहीं होने से राज्य सरकार ने यह कार्यक्रम किया जिसकी भव्यता काफी थी। मनपा ने इस प्रोग्राम के आयोजन पर पैसे खर्च किए जिसकी जानकारी आरटीआई से सामने आई है। एफ नार्थ वार्ड ने प्रोग्राम के आयोजन पर हुए खर्च का विवरण दिया है।

बता दे कि चूनाभट्टी स्थित सोमैया मैदान 13 मई 2023 को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में गरीब महिलाओ को उनके स्वबल पर खड़ा होने के लिए मनपा ने सिलाई मशीन, घर घंटी और मसाला पीसने की मशीन आदि का वितरण किया। मनपा प्रशासन हर साल नियोजन विभाग की ओर से इस तरह गरीब महिलाओ को उन्हें उनके पैर पर खड़ा होने के लिए और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए शिलाई मशीन घर घंटी सहित अन्य साहित्य उपलब्ध कराती रहती है। महिलाएं स्वावलंबी बनें, उनका विकास हो, उनका जीवन स्तर ऊंचा उठे, विकास कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी हो, इसके लिए मनपा द्वारा जेंडर बजट के तहत विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसमें योजना के मापदंडों के अनुरूप अर्हता प्राप्त करने वाली महिलाओं को स्वरोजगार के लिए मशीनरी खरीदने के लिए नगर पालिका द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।इस साल मनपा में किसी की सरकार नहीं होने के कारण मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल जो कि प्रशासक के रूप में काम काज देख रहे है गरीब महिलाओं के उत्थान के लिए मनपा द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम के लिए राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को बुलाया। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई मनपा से सिलाई मशीन, घर घंटी और मसाला पीसने की मशीन वितरण कार्यक्रम पर हुए खर्च की जानकारी मांगी थी।

ISIS के महाराष्ट्र मॉड्यूल में पांचवी गिरफ्तारी, पुणे से डॉक्टर के पास मिला भड़काऊ मैटेरियल

आईएसआईएस के महाराष्ट्र मॉड्यूल में एनआईए को पांचवी सफलता मिली है। एनआईए ने पुणे से डॉ. अदनान अली सरकार को अरेस्ट किया है। उनके पास से आईएसआईएस से जुड़े कई कागजात और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं।

मुंबईः एनआईए ने आतंकवादी संगठन आईएसआईएस से जुड़े आरोपी डॉ. अदनान अली सरकार को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को पुणे में कोंधवा में रेड डाली और वहां से डॉ. सरकार को अपनी कस्टडी में लिया। उसके पास से आईएसआईएस से जुड़े कई कागजात और इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए गए हैं। इस केस में एनआईए ने 3 जुलाई को मुंबई, ठाणे और पुणे से चार आरोपियों ताबिश नासिर सिद्दीकी, जुबैर नूर मोहम्मद शेख, शरजील शेख और जुल्फिकार अली को अरेस्ट किया था।

जांच एजेंसी का मानना है कि गिरफ्तार आरोपियों ने आईएसआईएस की आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की साजिश रची थी। उन्होंने स्लीपर सेल बनाया था और कई युवाओं की भर्ती की थी। आरोपियों ने विदेश में बैठे अपने सरगनाओं के निर्देश पर आईएसआईएस के आतंक और हिंसा के अजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भड़काऊ मीडिया सामग्री भी लिखी थी। इसे 'वॉयस ऑफ हिंद' पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। एनआईए ने गिरफ्तार पांचों आरोपियों के ग्रुप को 'आईएसआईएस का महाराष्ट्र मॉड्यूल' नाम दिया है।

पुणे केस के तार नागपुर, औरंगाबाद तक

पिछले कछ दिनों में अलग-अलग जांच एजेंसियों ने महाराष्ट्र में बैठकर रची जा रही कई साजिशों का भंडाफोड़ किया। पुणे एटीएस

ने पिछले हफ्ते दो आरोपियों मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद युनूस सैकी को अरेस्ट किया था। इन दोनों ने अपने एक और साथी मोहम्मद शहनवाज के साथ मिलकर बम बनाने की ट्रेनिंग ली थी और ट्रायल के तौर पर पुणे, सातारा और कोल्हापुर के जंगलों में बम ब्लास्ट भी किए थे। यह तीनों रतलाम से ताल्लुक रखते हैं, लेकिन पिछले डेढ़ साल से तीनों पुणे के कोंधवा में किराए के घर में रह रहे थे।

इस केस के आगे की इनवेस्टिगेशन के लिए महाराष्ट्र एटीएस की अलग-अलग टीमें नागपुर और औरंगाबाद भी गई हुई हैं। एटीएस अब उन सभी व्यक्तियों की डिटेल निकाल रही है, जिनसे इन आरोपियों ने पिछले एक-डेढ़ साल में संपर्क किया। खास बात यह है कि महाराष्ट्र एटीएस द्वारा गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद युनूस सैकी एनआईए के पिछले साल के उस केस में वॉन्टेड हैं, जिसमें चित्तौड़गढ़ में टेरर अटैक की साजिश रची गई थी। एनआईए ने इनका सुराग देने वालों को इनाम देने की भी घोषणा की थी।

मुंबई में बैठकर यूपी हमले की साजिश

यूपी एटीएस ने भी महाराष्ट्र एटीएस के साथ मिलकर पिछले पखवाड़े जोगेश्वरी से इमरान सैय्यद और सलमान नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ये लोग पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करते थे और गोंडा में अपने एक साथी मोहम्मद रईस के साथ उत्तर-भारत में सैन्य ठिकानों पर हमले की साजिश रच रहे थे। इन तीनों आरोपियों का पाकिस्तान में हैंडलर मुन्ना झिंगाडा था, जिसने साल 2000 में बैंकॉक में छोटा राजन पर हमला किया था।

1990 की घटना...

आसम से दो सहेलियाँ रेलवे में भर्ती हेतु गुजरात रवाना हुई. रास्ते में एक स्टेशन पर गाडी बदलकर आगे का सफर उन्हें तय करना था लेकिन पहली गाड़ी में कुछ लड़को ने उनसे छेड़-छाड़ की । इस वजह से अगली गाड़ी में तो कम से कम सफर सुखद हो, यह आशा मन में रखकर भगवान से प्रार्थना करते हुए दोनों सहेलियाँ स्टेशन पर उतर गयी । भागते हुए रिजरवेशन चार्ट तक वे पहुँची और चार्ट देखने लगी.चार्ट देख दोनों परेशान और भयभीत हो गयी क्योंकि उनका रिजर्वेशन कन्फर्म नहीं हो पाया था.

मायूस और न चाहते उन्होंने नजदीक खड़े TC से गाड़ी में जगह देने के लिए विनती की ळउ ने भी गाड़ी आने पर कोशिश करने का आश्वासन दिया....एक दूसरे को शाश्वती देते दोनों गाड़ी का इंतजार करने लगीआखिरकार गाड़ी आ ही गयी और दोनों जैसे तैसे कर गाड़ी में एक जगह बैठ गए...अब सामने देखा तो क्या!

सामने दो पुरूष बैठे थे. पिछले सफर में हुई बदसलूकी कैसे भूल जाती लेकिन अब वहा बैठने के अलावा कोई

चारा भी नहीं था क्यों की उस डिब्बे में कोई और जगह खाली भी नहीं थी। गाडी निकल चुकी थी और दोनों की निगाहें TC को ढूंढ रही थी शायद कोई दूसरी जगह मिल जाये..... कुछ समय बाद गर्दी को काटते हुए TC वहा पहुँच गया और कहने लगा कही जगह नहीं और इस सीट का भी रिजर्वेशन अगले स्टेशन से हो चूका है कृपया आप अगले स्टेशन पर दूसरी जगह देख लीजिये.यह सुनते ही दोनों के पैरो तले जैसे जमीन ही खिसक गयी क्यों की रात का सफर जो था.गाड़ी तेजी से आगे बढ़ने लगी . जैसे जैसे अगला स्टेशन पास आने लगा दोनों परेशान होने लगी लेकिन सामने बैठे पुरूष उनके परेशानी के साथ भय की अवस्था बड़े बारीकी से देख रहे थे जैसे अगला स्टेशन आया दोनो पुरूष उठ खड़े हो गए और चल दिये....अब दोनों लड़कियो ने उनकी जगह पकड़ ली और गाड़ी निकल पड़ी कुछ क्षणों बाद वो नौजवान वापस आये और कुछ कहे बिना निचे सो गए। दोनों सहेलियाँ यह देख अचम्भित हो गयी और डर भी रही थी जिस प्रकार सुबह के सफर में हुआ उसे याद कर डरते सहमते सो गयी....सुबह चाय वाले की आवाज सुन नींद खुली दोनों ने उन पुरूषों को धन्यवाद कहा तो उनमे से एक पुरूष ने कहा '' बेहेन जी गुजरात में कोई मदद चाहिए हो तो जरुर बताना '' ...अब दोनों सहेलियों का उनके बारे में मत बदल चूका था खुद को बिना रोके एक लड़की ने अपनी बुक निकाली और उनसे अपना नाम और संपर्क लिखने को कहा...दोनों ने अपना नाम और पता बुक में लिखा और ''हमारा स्टेशन आ गया है''

ऐसा कह उतर गए और गर्दी में कही गुम हो गए ! दोनों सहेलियों ने उस बुक में लिखे नाम पढ़े वो नाम थे संघ के स्वंय सेवक #नरेंद्रमोदी जी और शंकर सिंह जी #वाघेला..... वह लेखिका फिलहाल General Manager of the centre for railwayinformation system Indian railway New Delhiमें कार्यरत है और यह लेख kkThe Hindu kk इस अंग्रेजी पेपर में पेज नं 1 पर kkA train journey and two names to remember kk इस नाम से दिनांक 1 जुन 2014 को प्रकाशित हुआ.. ..

तो क्या आप अब भी ये सोचते है की हमने गलत #प्रधानमन्त्री चुना है? मुझे गर्व है कि मैं उस पार्टी का कार्यकर्ता हूं जिसे नरेंद्र मोदी जैसे हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने खून पसीने से सींचा है।।

रडार पर बॉलीवुड के चार बड़े फाइनेंसर

मुंबई : बॉलीवुड के जाने-माने आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई ने बुधवार तड़के अपने कर्जत स्थित स्टूडियो में खुदकुशी कर ली। इस मामले में पुलिस के रडार पर बॉलीवुड के चार बड़े फाइनेंसर हैं। पुलिस उनसे जल्द ही पूछताछ कर सकती है। पूछताछ का आधार पुलिस ने नितिन के मोबाइल फोन में मिले ऑडियो को बनाया है। पुलिस का कहना है कि उन चारों लोगों का बयान दर्ज किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो नितिन पर करीब २५० करोड़ रुपए का कर्ज था। उनकी कंपनी एन डी स्टूडियो कर्ज में थी। नितिन ने एक कंपनी से १८० करोड़ रुपए कर्ज लिया था। ब्याज मिलाकर कर्ज की रकम २५० करोड़ रुपए हो चुकी थी। कंपनी ने वसूली के लिए कानूनी कदम उठाए थे और वहां के जिलाधिकारी को भी स्टूडियो जब्त करने का प्रस्ताव भी दिया था। इस प्रस्ताव के बाद एन डी स्टूडियो के सील होने की भी आशंका बनी हुई थी। नितिन की कंपनी एन डी आर्ट्स वर्ल्ड प्रा. लि. ने एक कंपनी के जरिए १८५ करोड़ रुपए का लोन दो बार में लिया था। पहला लोन २०१६ में जबकि दूसरा लोन २०१८ में लिया था। देसाई के मैनेजर के मुताबिक, नितिन की उम्र ५८ साल थी। वे अपना ज्यादातर वक्त इसी स्टूडियो में बिताते थे। देसाई मंगलवार, रात १० बजे अपने कमरे में चले गए थे। सुबह काफी देर तक वो बाहर नहीं आए तो उनके बॉडी गार्ड और अन्य लोगों ने दरवाजा खटखटाया। खिड़की से देखा तो देसाई का शव पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक १० लोगों के बयान दर्ज किए हैं।

ज्योति मौर्य, सीमा हैदर और अंजू को छोड़िए! बिहार की संजना ने पेश की मिसाल

गहने बेचकर पति को कराया ग्रेजुएशन और बनाया शिक्षक

जमुई. इन दिनों पूरे देश में तीन महिलाओं की खूब चर्चा हो रही है. उत्तरप्रदेश की एक महिला अधिकारी ज्योति मौर्य और उनके पति के बीच विवाद की चर्चा के बाद वैसे कई मामले सामने आए जहां लोगों ने अपनी पत्नियों की पढ़ाई बंद करवा दी. वहीं इसके अलावा अपने पति को छोड़कर पाकिस्तान गयी अंजु और पाकिस्तान से भारत आयी सीमा हैदर की कहानी के बाद भी कई लोगों ने महिलाओं पर सवाल उठाया. लेकिन, इन सबके बीच बिहार के जमुई जिले से एक ऐसी महिला की कहानी सामने आई है, जिसने त्याग, परिश्रम और बलिदान की बेहतरीन मिसाल पेश की है. इस महिला का नाम है संजना, जिसने गरीब और लाचार पति की जिंदगी और भविष्य बनाने में कोई कसर नही छोड़ी. संजना ने अपने पति की पढ़ाई के लिए महिलाओं के लिए खास माने जाने वाली गहने तक बेच दिए.

मिली जानकारी के अनुसार एक आदर्श पत्नी का फर्ज निभा रही संजना ने मैट्रिक पास पति जितेंद्र को इंटर के बाद ग्रेजुएशन तक कराया. संजना के सहयोग का परिणाम है कि आज उसका पति जितेंद्र सरकारी स्कूल में एक शिक्षक है. वहीं उसकी पत्नी संजना भी सरकारी विभाग में एक कर्मी है. दरअसल गरीब परिवार से आने वाले जितेंद्र को उसके ससुर घर जमाई बनाना चाहते थे, लेकिन जब उसने मना कर दिया तब पत्नी कुमारी संजना ने अपने पति जितेंद्र का साथ दिया. ऐसे में जमुई के शिक्षक जितेंद्र सार्दुल की कामयाबी के पीछे पत्नी कुमारी संजना का संघर्ष की चर्चा पूरे जमुई जिले में होती है. जितेंद्र सार्दुल और संजना की शादी 2002 में हुई थी. तब जितेंद्र मैट्रिक पास थे. शादी के बाद उन्हें जब घर जमाई बनने के लिए कहा गया, तब उन्होंने अपने स्वाभिमान का हवाला देकर ससुर की बात को मना कर दिया. उस हालात में संजना ने अपने पति का साथ दिया. गरीबी और तंगहाली से जूझती संघर्ष करती संजना ने पति को पढ़ाने के लिए अपने जेवर तक बेच दिए और अपने पति को पहले इंटर और फिर स्नातक करवाया. संजना के साथ का असर हुआ कि 2007 में जितेंद्र शार्दूल शिक्षक बन गया. वहीं 2014 में

संजना जिले के खैरा प्रखंड में आवास सहायक बन गई.

जेवर बेच कर बेरोजगार पति को बनाया टीचर

बता दें, संजना के पिता बिजली विभाग में लाइन इंस्पेक्टर के पद पर मुंगेर में कार्यरत थे. कोई पुत्र नहीं होने के कारण से संजना के पिता ने उसकी शादी जितेंद्र शार्दूल से करवाई थी जोकि मैट्रिक पास बेरोजगार थे. संजना के पिता की इच्छा थी कि जितेंद्र को घर जमाई बनाकर अपने साथ रखें. लेकिन जितेंद्र ने ससुर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया. जितेंद्र की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी, इसलिए उनकी पढ़ाई पूरी नहीं हो पाई थी. लेकिन, वह पढ़कर कुछ करना चाहते थे. इस दौरान उनकी पत्नी संजना ने जो संघर्ष और त्याग किया वह काबिलेतारीफ है. शादी के कुछ ही दिन बाद जितेंद्र के घर वालों ने उसे मजदूरी करने की सलाह दी थी. लेकिन, वह पढ़ना चाहते थे. लेकिन, उनके लिए पैसों की बाधा थी. ऐसे में संजना ने अपने पति की आगे की पढ़ाई करवाई, पढ़ाई में किसी प्रकार की कमी ना हो इसलिए उसने मायके से मिले अपने सारे जेवर बेच दिए.

मैट्रिक पास पति को कराया ग्रेजुएशन

जितेंद्र आज अलग अंदाज में बच्चों को शिक्षा देने के लिए चर्चित हैं. वहीं पति-पत्नी की इस जोड़ी के रील्स को खूब भी लोग खूब पसंद करते हैं. जितेंद्र ने बताया कि उन्होंने 1994 में मैट्रिक परीक्षा पास की थी, वहीं उनके पिताजी की मौत 1995 में हो गई थी. वह 8 भाई थे, घर की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी. पिताजी की मौत के बाद वह आगे नहीं पढ़ सका. लेकिन उसके सारे दोस्त पढ़ने लिखने वाले थे, उसकी भी इच्छा थी कि वह पढ़े. वहीं 2002 में शादी के बाद उसे घर जमाई बनने के लिए कहा गया तो उसने मना कर दिया बाद में पत्नी ने जेवर बेचकर मैट्रिक के 8 साल के बाद इंटर और ग्रेजुएशन करवाया. जितेंद्र कहते हैं कि अगर उनकी पत्नी संजना जेवर नहीं बेचती तब पढ़ाई क्या जिंदगी जीना भी मुश्किल हो जाता.

'आज हमलोग बहुत खुश हैं'

वहीं संजना का कहना है कि शादी के बाद उनकी खुशी पति की खुशी में ही थी. उनके पति आगे पढ़ाई करना चाहते थे. इनके घर की आर्थिक स्थिति बहुत ठीक नहीं थी. एक वक्त का खाना भी ठीक से नहीं मिल पाता था. तब हमने अपने जेवर बेच दिए थे जिससे वह आगे पढ़ें और शिक्षक बन गए. वहीं अब मैं भी आवास सहायक बन गई, आज हम लोग बहुत खुश हैं.

18.05 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त, 2 नाइजीरियाई समेत 3 हुए गिरफ्तार

ठाणे : नवी मुंबई पुलिस ने छापों की दो कार्रवाई में 18.05 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त किये हैं और इस मामले में दो नाइजीरियाई नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने खारघर रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाया और 32 और 34 साल की उम्र के दो नाइजीरियाई व्यक्तियों को पकड़ लिया।

पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि नाइजीरियाई व्यक्तियों के पास से 4.40 लाख रुपये मूल्य की कुल 44 ग्राम मेथाक्वालोन बरामद की गई। विज्ञप्ति के मुताबिक एएनसी ने एक अन्य मामले में एपीएमसी थाना क्षेत्र में छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसके पास से 2.60 ग्राम एलएसडी नामक मादक द्रव्य जब्त किया गया।

बाजार में इसका मूल्य 13.65 लाख रुपये है। इसमें यह भी बताया गया है कि सोमवार को तीन व्यक्तियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों को मादक पदार्थ कहां से मिले और वे इसे किसे बेचना चाहते थे।

दो महीने बाद शुरू होगा 556 शौचालय बनाने का काम

मनपा को मिल रहा निजी कंपनियों का साथ...

नही खर्च करना पड़ेगा मनपा की तिजोरी का पैसा

मुंबई : मनपा प्रशासन ने लॉट 12 के तहत मुंबई शहर में 556 शौचालय जिसमे 20 हजार ब्लॉक बनाने का निर्णय लिया था।मनपा इन शौचालय को बनाने के लिए 500 करोड़ रुपए खर्च करने के योजना बनाई थी। मनपा ने शौचालय बनाने के लिए टेंडर भी निकाल दिया था। इस बीच राज्य के कैबिनेट मंत्री और मुंबई उपनगर के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई की जनता को उच्च कोटि का शौचालय उपलब्ध कराने के लिए निजी कंपनियों से मुलाकात की और उन्हें सी एस आर फंड के तहत मनपा को शौचालय उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। उनकी गुहार पर हिंदुस्तान लीवर सहित कई अन्य नामचीन कंपनियों ने मुंबई के लोगो को उच्च कोटि का शौचालय उपलब्ध कराने के लिए आगे आई। पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा सोमवार को मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल से मिलकर शौचालय उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के बारे में जाना।मनपा आयुक्त चहल ने लोढ़ा को बताया कि लॉट 12 के तहत शौचालय बनाने का निकाला टेंडर अभी रद्द नही किया गया है ।उन्होंने बताया की 556 शौचालय जिसमे 20 हजार से अधिक ब्लॉक तैयार किए जाएंगे यह कार्य अगले दो महीने में शुरू किया जाएगा।मनपा प्रशासन ने मुंबई भर में शौचालय बनने वाले स्थानों की सूची तैयार कर रही है।मनपा को हिंदुस्तान लीवर सहित कई अन्य कंपनियां शौचालय बनाकर देने की तैयारी दिखाई हैं। एक शौचालय के बनाने पर लगभग 3 करोड़ खर्च होगा जिसका वहन निजी कंपनियां करेगी।यह शौचालय बाहर से बन कर आएगा जिससे शौचालय लगाने के स्थान तक गाड़िया कैसे पहुंचेगी यह देखा जा रहा है। मनपा आयुक्त ने कहा कि इसी लिए अभी तक निविदा रद्द नही किया है।जहा आप बना हुआ शौचालय लगाना मुमकिन नहीं होगा वहा पर शौचालय बनाया जाएगा जिसके लिए निकाली गई निविदा में ठेकेदार को काम देकर शौचालय बनाया जाएगा।

25 स्थानों पर आपला दवाखाना भी खुलना है बाकी...

लोगो को घर के पास ईलाज की सुविधा मिले इसके लिए मनपा ने हिंदू हृदय सम्राट दवाखाना की शुरूआत की है।मनपा प्रशासन ने 164 स्थानों पर यह दवाखाना शुरू भी कर दिया है लेकिन 25 स्थानों पर जहा पर लोगो की मांग है अभी तक दवाखाना नही खुल पाया है। मनपा आयुक्त चहल ने जगह संबंधी समस्या की जानकारी देते हुए इन स्थानों पर जल्द दवाखाना शुरू करने की गवाही दी।

मोनू मानेसर: राजकीय समर्थन के साथ 'गौरक्षा' और जागरूकता के नाम पर हिंसा की कहानी

'भाइयों, यहां पे एक समाधान होना चाहिए. जो भी लव जिहाद करते हैं, उनकी लिस्ट हमें दें. हम और हमारी टीम उनको मारेंगे भाई, खुल्ला. ना तो हम किसी केस से डरते हैं क्योंकि नाम तो मैं लेना चाहता नहीं लेकिन अपने बड़े भाई यहां बैठे भी हैं वो हमारी पैरवी फुल करेंगे कोई दिक्कत नहीं है और जो लव जिहाद करेगा, जो हमारी बहन बेटियों को छेड़ेगा, उनको मारने का काम सिर्फ और सिर्फ हम, हमारी टीम और हमारे युवा साथी करेंगे. उनसे अपना कोई समझौता नहीं है जो अपना धर्म पे उंगली उठाने देंगे. उनको सिर्फ और सिर्फ मारने पर ही हमारा समाधान होगा, नहीं तो कोई समाधान नहीं हो सकता. ये भाषानो से समाधान नहीं होगा, उनको मारना पड़ेगा भाई. जय श्री राम.'' 4 जुलाई, 2021 को हरियाणा के पटौदी में मोनू मानेसर ने हिंदू महापंचायत में हिंसा का ये खुला आ''ान किया था. और इस भाषण के बाद मोनू मानेसर मंच से बाहर आया तो तालियों की गड़गड़ाहट और एक सामूहिक जयकार गूंज उठी. मोनू के पास गुरुग्राम-रेवाड़ी-नूंह क्षेत्र में लगभग 50 गौ रक्षकों की एक टीम है. कार्यक्रम के होस्ट ने मोनू को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया जो ''गायों की रक्षा करते हुए गोली मारता है और गोली खाता है.'

मोनू मानेसर ने एक बार नहीं बल्कि कई मौकों पर हिंसा की ऐसी खुली मांग की है. नवंबर 2021 में उसने गुरुग्राम के सेक्टर 12 में नारे लगाते हुए मुसलमानों के खिलाफ हिंसक धमकियां दे डाली. 'हंदू के गद्दारों को, गोली मारो सालों को.' उसने बच्चों के साथ भी इस तरह के नारे लगाए थे. ये सभा शुक्रवार को सार्वजनिक जगहों पर नमाज अदा करने वाले मुसलमानों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए की गई थी.

हाल ही में मोनू का नाम हरियाणा के नूंह इलाके में वारिस नाम के शख्स की मौत के बाद सुर्खियों में आया था. वारिस के परिवार ने मोनू पर 28 जनवरी की सुबह गाय तस्करी के शक में वारिस और उसके सहयोगियों, नफीस और शौकीन का पीछा करने और उन पर हमला करने का आरोप लगाया था. पुलिस ने मोनू को क्लीन चिट देने वाले दावों का खंडन किया. कानून लागू करने वालों के मुताबिक, वारिस और उसके साथी जिस कार में सफर कर रहे थे वो शनिवार सुबह करीब 5 बजे हरियाणा के तोरु-भिवाड़ी रोड पर एक टेंपो से टकरा गई और तीनों को गंभीर चोटें आईं. बाद में नलहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में वारिस की मौत हो गई.

हालांकि, पुलिस के बयान में घटनाओं के क्रम में कुछ चीजे मिसिंग हैं. उनके बयान के मुताबिक, मोनू की टीम ने वारिस और उसके साथियों को पकड़ने के बाद फेसबुक पर लाइव किया. फेसबुक लाइव-स्ट्रीम से ऐसा लगता है कि एक क्लिप में वारिस और उसके दो सहयोगियों से उनके नाम और संबंधित गांवों के बारे में पूछताछ की जा रही है.

किसान ने पत्नी को पढ़ा-लिखाकर बनाया लेखपाल, अब मांग रही तलाक; बाराबंकी में SDM मौर्या जैसा केस

बरेली के बाद अब बाराबंकी जिले से SDM ज्योति मौर्या जैसा मामला सामने आया है. यहां पर शादी के बाद पढ़ लिखकर लेखपाल बनी एक महिला ने अपने किसान पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है. साथ ही पत्नी ने कोर्ट में तलाक का मुकदमा भी दाखिल कर दिया है. हालांकि, पारिवारिक न्यायालय कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई करते हुए पत्नी की तरफ से दाखिल तलाक के मुकदमे को आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया है. पति के अनुसार पढ़ने में रुचि को देखते हुए उसने अपनी पत्नी को पढ़ाया-लिखाया. इस दौरान उसको अपनी जमीन भी बेचनी पड़ी. इसके बाद पत्नी का चयन लेखपाल पद पर हो गया. चयन होने के कुछ दिन बाद उसने पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए तलाक का मुकदमा दाखिल कर दिया. जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया.

खेत बेच कर कराई कॉम्पटीशन की तैयारी

दरअसल, यह पूरा मामला बाराबंकी के सतरिख थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर मजरे गाल्हामऊ गांव का है. यहां के रहने वाले अमरीश कुमार की शादी 20 फरवरी 2009 को जैदपुर थाना क्षेत्र के याकूतगंज गांव के रहने वाले रामचरन की बेटी दीपिका के साथ हुई थी. शादी के बाद ससुराल में ही दीपिका का ग्रेजुएशन पूरा हुआ. पति

के अनुसार पढ़ने में रुचि को देखते हुए उसे एमए और बीएड कराया. इसके बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग में दाखिला कराया. पति अमरीश, दीपिका को कोचिंग लाने और ले जाने के साथ ही अन्य पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाता रहा. अमरीश की मां की मृत्यु साल 2011 में ही हो गई थी.

पत्नी को पढ़ाने के लिए खेत बेचना पड़ा

अमरीश के अनुसार इस कारण उसे आर्थिक दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा. इससे निपटने के लिए उसे अपना

खेत भी बेचना पड़ा. साल 2018 में पत्नी दीपिका का चयन लेखपाल के पद पर हो गया. इसके कुछ माह बाद वह अपनी आठ वर्षीय बच्ची को लेकर मायके चली गई. बाद में उसने पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए तलाक का मुकदमा दाखिल कर दिया. पारिवारिक न्यायालय कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश दुर्ग नारायण सिंह ने मामले की सुनवाई करते हुए पत्नी की तरफ से दाखिल तलाक के मुकदमे को आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया.

पति के अनुसार उसने दीपिका से साथ रहने व पारिवारिक जीवन के साथ गृहस्थी को बचाने के लिए कई बार मिन्नत भी की, लेकिन उसने इन प्रयासों को नजर अंदाज कर दिया. यहां तक कि उसे अपनी बेटी से भी मिलने नहीं दिया गया.

पत्नी बोली, प्राइवेट स्कूलों में पढ़ा कर पूरी की पढ़ाई

वहीं, जब इस बारे में अमरीश की पत्नी दीपिका से संपर्क किया गया तो उसने कुछ और ही बात बताई. दीपिका ने कहा कि उस पर अमरीश और उसके घर वाले काफी अत्याचार करते थे. दीपिका ने बताया कि वह घर का काम करने के साथ ही प्राइवेट स्कूलों में पढ़ा कर घर का खर्च भी चलाती थी. लेकिन घरवाले इससे भी संतुष्ट नहीं थे. वह आए दिन प्रताड़ित करते थे. साथ ही दीपिका ने कहा कि वह तंग आकर मायके चली गई. वहां से पढ़ लिखकर लेखपाल बन गई. अब उन लोगों से छुटकारा पाने के लिए तलाक का मुकदमा दाखिल किया था.

18.05 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त

ठाणे : नवी मुंबई पुलिस ने छापों की दो कार्रवाई में 18.05 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त किये हैं और इस मामले में दो नाइजीरियाई नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने खारघर रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाया और 32 और 34 साल की उम्र के दो नाइजीरियाई व्यक्तियों को पकड़ लिया।

पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि नाइजीरियाई व्यक्तियों के पास से 4.40 लाख रुपये मूल्य की कुल 44 ग्राम मेथाक्वालोन बरामद की गई। विज्ञप्ति के मुताबिक एएनसी ने एक अन्य मामले में एपीएमसी थाना क्षेत्र में छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसके पास से 2.60 ग्राम एलएसडी नामक मादक द्रव्य जब्त किया गया।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 अगस्त, 2023

नेपाली टमाटर की तस्करी में कस्टम अधीक्षक समेत चार निलंबित

छह कर्मचारियों को लखनऊ किया गया था संबद्ध, जांच के बाद चार पर कार्रवाई

कस्टम विभाग ने सीज की हुई गाड़ी से माल को नष्ट किया नहीं, रिकॉर्ड में दिखा दिया

महाराजगंज, कस्टम विभाग के दोषी चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। आगे की जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - गौरव चंदेल, एडिश्नल कमिश्नर, कस्टम विभाग

गोरखपुर। नेपाल से भारत में तस्करी कर लाए जा रहे तीन टन टमाटर जब्त किए जाने के मामले में प्रारंभिक जांच के बाद कस्टम अधीक्षक विशाल मेहता, निरीक्षक एसएस हैदर, आदित्य शर्मा और जितेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया गया है। दो कर्मचारियों के खिलाफ जांच चल रही है।

महराजगंज पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने पिछले दिनों तस्करी के टमाटर पकड़े थे। इसमें सीमा शुल्क विभाग की लापरवाही सामने आई थी। इसके बाद सीमा शुल्क आयुक्त ने नेपाल बॉर्डर पर तैनात सभी छह अधिकारियों को जांच के लिए मुख्यालय बुला लिया था। बीती सात जुलाई को महाराजगंज जिले के निचलौल इलाके के पास एसएसबी की टीम ने डेढ़-डेढ़ टन टमाटर लदी दो गाड़ियों को रोका था। बाद में एसएसबी ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण के बाद इसकी सूचना कस्टम विभाग को दी गई।

नेपाल से तस्करी कर भारत लाए गए तीन टन टमाटर को सेहत के लिए अनुपयुक्त मानकर कस्टम ने पहले तो सीज किया। अधिकारियों ने लिखा- पढ़ी में इसे नष्ट करने का दावा किया, लेकिन जिस पिकअप पर लदे टमाटर को कस्टम ने नष्ट करने का दावा किया, उसी पिकअप को अगले दिन पुलिस ने टमाटर की कालाबाजारी के आरोप में पकड़ लिया और दोबारा कस्टम विभाग को सौंप दिया।

कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात ने राज्य सरकार को घेरा

मुंबई, राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर कल विधानसभा में विपक्षी दलों के प्रस्ताव पर बोलते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात ने राज्य सरकार को घेरा। कांग्रेस विधायक दल के नेता थोरात ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। महिलाओं और लड़कियों के गायब होने की दर चिंताजनक है। पिछले तीन महीने में ५,६०० लड़कियां गायब हो चुकी हैं। दहेज और महिला उत्पीड़न के मामले भी बढ़े हैं। यह महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य को शोभा नहीं देता है। राज्य के शहर अपराध के अड्डे बनते जा रहे हैं।

बालासाहेब थोरात ने कहा कि शहर में बढ़ते अपराध का मुद्दा मैं पहले भी सदन में उठा चुका हूं। इस वजह से शहरवासियों में भय व बेचैनी का माहौल है। थोरात ने आगे कहा कि जैसे-जैसे राज्य में चुनाव नजदीक आ रहे हैं। राज्य का माहौल जानबूझकर खराब करने की कोशिशें की जा रही हैं। जाति और धर्म के नाम पर समाज में लोगों के बीच भेदभाव पैदा किया जा रहा है। कुछ लोग भड़काऊ भाषण देकर अशांति पैष्ठला रहे हैं। ऐसे भड़काऊ भाषण देनेवालों का गिरोह प्रदेश में सक्रिय हो गया है। आखिर हम महाराष्ट्र को कहां ले जाना चाहते हैं? इसके बारे में सोचने का समय आ गया है। क्या हम महाराष्ट्र को भी मणिपुर और हरियाणा के रास्ते ले जाएंगे? थोरात ने ऐसा ज्वलंत सवाल सदन में उठाया। महापुरुषों के अपमान के संबंध में बोलते हुए थोरात ने कहा, 'इंडिया पोस्ट, इंडिकेटर्स, भारद्वाज स्पीक के लोग कौन हैं? इनके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है? सरकार को इसका पता लगाना चाहिए। उनकी हिम्मत वैष्ठसे हुई इतने निचले स्तर पर जाकर सावित्रीबाई फुले पर कुछ कहने या लिखने की? अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो महाराष्ट्र की जनता को लगेगा कि सब कुछ सरकार के आशीर्वाद से चल रहा है।' थोरात ने कहा कि भिड़े जैसा विकृत व्यक्ति बार-बार महात्मा गांधी, महात्मा फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले का अपमान कर रहा है और सदन में इस बारे में बोलने की इजाजत भी नहीं है। वास्तव में ऐसे विकृत लोगों को जंजीरों से बांधकर जेल में डाल देना चाहिए। सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत दादा और भुजबल साहब सत्ता में आकर शांत हो गए। अजीत दादा, भुजबल साहब हम सभी प्रगतिशील विचारोंवाले नेता हैं। बाला साहेब थोरात ने इन नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि ये सभी नेता आज सत्ता में शामिल होने के बाद शांत बैठ गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के कारण हुए भूस्खलन से विभिन्न जिलों में सड़कें अवरुद्ध

कपिलवस्तु। बारिश के कारण हुए भूस्खलन से लुम्बिनी प्रदेस के विभिन्न जिलों में सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। राजमार्ग सुरक्षा और यातायात प्रबंधन कार्यालय बुटवल के अनुसार, भूस्खलन के कारण बुटवल-पाल्पा, गोरुसिंगे-संधीखर्क, रामदी-रामपुर और भालुबांग-प्यूठान कि सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। कार्यालय के सूचना अधिकारी

डीएसपी होम बहादुर थापा के अनुसार, सिद्धार्थ राजमार्ग के अंतर्गत तिनाउ गाऊ पालिका 3 हेडबॉक्स और झुमसा के पास भूस्खलन के कारण बुटवल-पाल्पा मार्ग सुबह से दो स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है।

इसी तरह, रंभा गाऊ पालिका 1 सैंडीखोला के पास भूस्खलन के कारण रामदी-रामपुर मार्ग अवरुद्ध हो गया है। अरघाखांची में सितगंगा-12 बासेनी और सन्धि खर्क के डंपिंगसाइड में भूस्खलन के कारण गोरुसिंगे-संधिखर्क सड़क दो स्थानों पर अवरुद्ध हो गई है।

वहीं, डीएसपी होम बहादुर थापा ने बताया कि प्यूठान के मांडवी-गारजेनी में भूस्खलन के कारण भालूबांग-प्यूठान मार्ग अवरुद्ध हो गया है. भारी बारिश के कारण पाल्पा से रूपनदेही तक बहने वाली तिनाउ नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है. स्थानीय लोगों के मुताबिक, तिनाउ नदी में कई सालों के बाद सबसे बड़ी बाढ़ आई है. इसी वजह से मौसम विज्ञान विभाग ने तिनाउ नदी के आसपास के निवासियों से सतर्क रहने का अनुरोध किया है।

नशीली दवा के साथ युवक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। ऑपरेशन कवच के तहत 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी अलीगढ़वा एवं पुलिस के संयुक्त गश्ती दल के

जवानों ने बुधवार नशीली दवाओं के साथ नेपाली तस्कर को पकड़ा। यह जानकारी आरके डोगरा, कमांडिंग अधिकारी, 43वीं वाहिनी ने दी। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अलीगढ़वा कस्बे से नेपाल की ओर जा रहा था, लेकिन गस्ती दल को देखकर वह मोटरसाइकिल मोड़ कर वापस भागने के प्रयास में गिर गया, तभी गश्ती दल ने से पकड़ लिया गया और उसकी तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसके पेंट की जेब से 240 नग नशीली दवा बरामद हुई।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www.maharashtracrimes.in / www.maharashtracrimes.blogspot.in Email : editor@maharashtracrimes.in / maharashtracrimes@gmail.com